युगल सशक्तिकरण कार्यक्रम

BJS
Bharatiya Jain Sangathan

(प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम)

दो पवित्र आत्माओं का मिलन एवं जीवन पर्यन्त साथ रहकर विकास की ओर अग्रसर होते रहना है विवाह । हमारा विश्वास है कि नवयुगलों को प्रभु का आशीर्वाद सदैव प्राप्त रहता है। कहा जाता है कि रिश्ते स्वर्ग में तय होते हैं किन्तु उन्हें विवाह के माध्यम से पृथ्वी पर साकार किया जाता है। यदि यह सत्य है तो फिर क्यों कुछ युगल सुख, शांति व समन्वय के साथ जीवनयापन में कठिनाईयां महसूस करते हैं? पति एवं पत्नि या पत्नि एवं सास–ससुर के मध्य तनाव अब साधारणतया अधिकांश परिवारों में दृष्टिगोचर होता है। वर्तमान समय की यह अत्यंत ही ज्वलंत समस्या है किन्तु यह मात्र जैन समाज के युगलों तक ही सीमित नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के विभिन्न समाजों के युगलों की है। भारतीय जैन संगठन ने युवक एवं युवतियों के वैवाहिक जीवन की समस्याओं का अवलोकन एवं अध्ययन किया और समस्या के निदान स्वरूप में एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया जिसका नाम है 'युगल सशक्तिकरण' (Empowerment of Couples) जो युगलों हेतु स्वयं समझने की दृष्टि से व्यावहारिक पाठ्यक्रम है।

समस्याएं

- समझ एवं बुद्धिचातुर्य की कमी
- बदले हुए माहौल की गैरस्वीकृति में सामंजस्य न कर पाना
- अधिकृत एवं अव्यावहारिक अपेक्षाएं
- समझौता करने की अनिच्छा
- वायदे करना और उन्हें पूरे ना करना
- विवाह पश्चात् के दबावों से अनजान
- विवाह पूर्व की स्वतंत्रता एवं पश्चात् के उत्तरदायित्व की जवाबदारियों का निर्वाह न करना
- दोनों पक्षों में आदर भाव की कमी
- युगलों के अभिभावकों द्वारा अनुचित हस्तक्षेप
- गुणवत्तापूर्ण समय का अभाव
- सुसंवाद का अभाव
- तुलनात्मक रवैया

समाधान

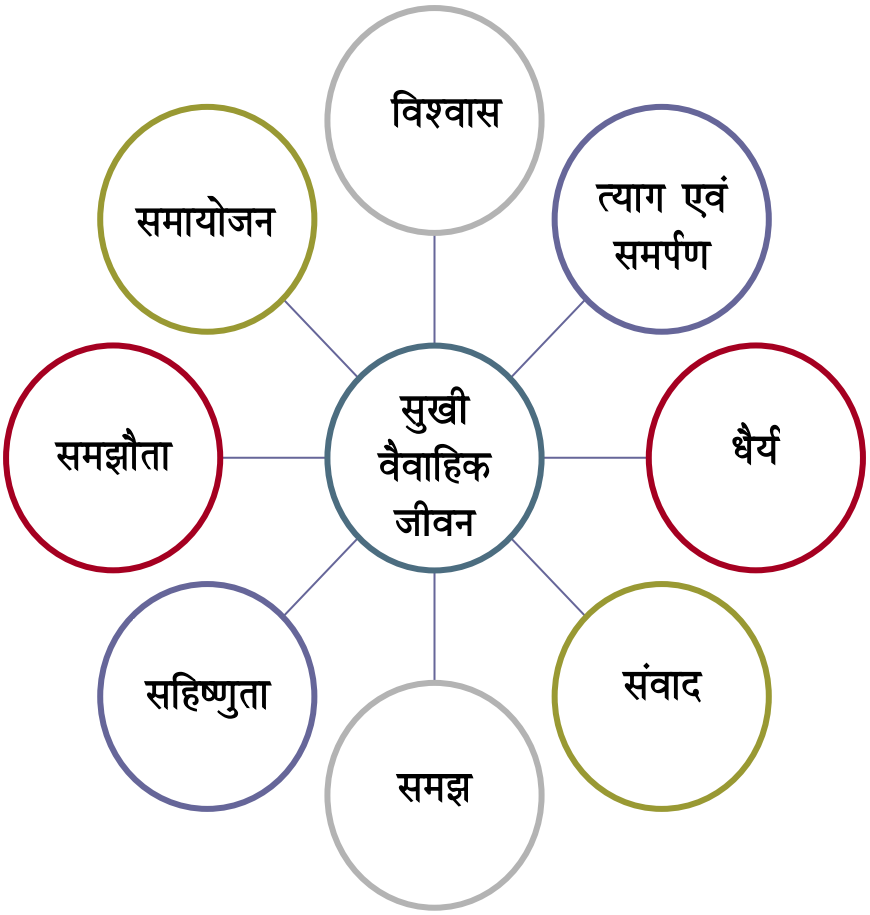

आपसे निवेदन है कि आपके यहां जैन समाज के नवयुगलों हेतु इस कार्यशाला का आयोजन करें। भारतीय जैन संगठन इस दो दिवसीय कार्यशाला हेतु प्रशिक्षित प्रशिक्षक नियुक्त करेगा। आशा है हम सभी समाज की इस ज्वलंत समस्या से निपटने व सुखी परिवारों के साथ आदर्श समाज के स्वप्न को साकार करने में सफल होंगे।

.....

भारतीय जैन संगठन

आयोजक :

दीनांक: **समय:** **स्थान:**

स्थानीय संपर्क : **मोबाइल:**